सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 268 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 9 नवम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

उस चीज को खोजिये जिसे लेकर आप सुपर पैशनेट हों।
-मार्क जुकरबर्ग

जस्टिस चंद्रचूड़ बने देश के 50वें... 8 | न्यू जिम कार्बेट बनाएगी योगी... 3 | गोला की गोलबंदी से भाजपा के... 7

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने बदल दी देश की राजनीति

देश के लोगों में जगी उम्मीद, जनता के लिए कांग्रेस एकमात्र धर्म निरपेक्ष दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपनी उस छवि से उबारने की कोशिश कर रहे हैं, जो भाजपा ने उनका मजाक उड़ाते हुए बना दी थी। यात्रा को मिल रहे अपार जनसमर्थन से राहुल गांधी एक जननेता के रूप में उभर आए हैं, उनकी इमेज बनती हुई दिख रही है। एक ऐसा नेता जिसके पीछे भीड़ एकत्रित हो सकती है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 3570 किलोमीटर लंबी यात्रा में से राहुल गांधी 1000 किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं।

पांच राज्यों से गुजरने के बाद यह स्पष्ट हो चुका है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने देश की राजनीति को एक नई दिशा दे दी है। कांग्रेस में नई जान फूंक दी है। राहुल गांधी की यात्रा से देश के लोगों को एक उम्मीद जगी है। क्योंकि परिस्थितियां ही ऐसी है जिसमें जनता विकल्प ढूंढ रही है। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि वर्तमान में रोजगार के अवसर घट गए हैं। असंगठित क्षेत्र (जो देश में 80 प्रतिशत से ज्यादा रोजगार देता है) की कमर टूट गई है। स्वरोजगार के अवसर (जिसके बूते बांग्लादेश भी हमसे आगे निकल गया) अडानी और अंबानी को जा रहे हैं। शिक्षण संस्थानों में कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स से किसी प्रकार काम चलवाया जा रहा है। देश में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बुरी है और इन सब के बीच देश को अमृत काल और विश्व गुरु बनने का सपना भी बेचा जा रहा है। स्वाभाविक है कि धीरे-धीरे ही सही, लेकिन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की इस यात्रा से लोगों की आंखें खुलनी शुरू हो गई हैं।

यात्रा को मिल रहे अपार जनसमर्थन से राहुल गांधी एक जननेता के रूप में उभरे हैं

3570 किलोमीटर लंबी यात्रा में से राहुल 1000 किमी की दूरी तय कर चुके हैं

सीबीआई और ईडी का डर भी नहीं रोक पाया राहुल को

बताते चलें कि 1974 में यदि पटना में छात्रों के जुलूस में जेपी पर लाठी नही चली होती तो शायद हिंदुस्तान में गैर-कांग्रेसवाद के दम पर दिल्ली की सत्ता की कल्पना भी शायद संभव नहीं होती। राजीव गांधी के वित्त मंत्री वीपी सिंह यदि अमिताभ बच्चन और धीरूभाई अंबानी से नही टकराए होते तो राजीव गांधी उन्हें कैबिनेट से नही हटाते। आप और हम लालू, मुलायम, कांशीराम, नीतीश मायावती, देवेगौड़ा, कल्याण सिंह, नरेंद्र मोदी जैसों के नाम भी नहीं सुन पाते। क्योंकि बिना मंडल के क्यों कोई पार्टी पिछड़े वर्गों को आगे लाने की भला क्यों सोचती? सब पार्टियों में (लेफ्ट से राइट तक) तो सवर्णवादी मानसिकता अंदर तक घुसी हुई थी। कमोबेश इसी प्रकार की कोशिश राहुल गांधी करते दिख रहे हैं। क्योंकि उन पर भी यदि सीबीआई और ईडी के द्वारा दबिश नही बढ़ाई गई होती तो शायद आज आप उस राहुल गांधी को नही देख पाते, जिन्हें आप अब देख पा रहे हैं।

भाजपा को 140 सीटों पर रोकना होगा

राहुल गांधी के असर को उन इलाकों में देखा जाना है जहां मोदी फैक्टर है। यानी हिंदी भाषी भारत और गुजरात, जहां कुल मिला कर 271 लोक सभा सीटें हैं और इनमें से 222 सीटें अकेले भाजपा के पास हैं। इन इलाकों में कांग्रेस को सिर्फ 14 सीटें मिली थी। इसलिए यदि राहुल गांधी को अपने मिशन में कामयाब होना है तो इन इलाकों में भाजपा को 140 के नीचे हर हाल में रोकना होगा। राहुल गांधी के जोश और उत्साह, उनके साथ जुड़ रही आम जनता की उम्मीद कि इन सब के साथ यदि कांग्रेस का संगठन भी अपनी पूरी ताकत लगा दे तो ये कोई मुश्किल काम नहीं है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने ट्विटर अकाउंट को ब्लॉक करने के आदेश पर लगाई रोक

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने पोस्ट हटाने की शर्तों के साथ कांग्रेस और भारत जोड़ो यात्रा के ट्विटर अकाउंट को ब्लॉक करने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि कांग्रेस को प्रतिवादी के कॉपीराइट का उल्लंघन करने वाले पोस्ट के स्क्रीनशॉट उपलब्ध कराने होंगे। एमआरटी म्यूजिक कंपनी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस और भारत जोड़ो यात्रा के हैंडल पर केजीएफ-2 के गानों के साथ वीडियो शेयर किए गए। कंपनी ने कांग्रेस पर कॉपीराइट का केस किया था। शिकायत के बाद बेंगलुरु की एक अदालत ने कांग्रेस और भारत जोड़ो यात्रा के ट्विटर हैंडल को ब्लॉक करने का निर्देश दिया था।

ये है मोदीजी के घबराहट का कारण

ये हलचल स्वाभाविक ही है। क्योंकि आपने देखा होगा कि रेलवे-एनटीपीसी या अग्निपथ के बवाल ने युवाओं को रोड पर ला दिया। किसान 13 महीने सड़क पर रहे। सरकारी कर्मचारी पेंशन की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ हैं। अब तक इन्हें कामयाबी इसलिए नहीं मिल रही थी क्योंकि ये संगठित नहीं थे। भारत जोड़ो यात्रा ने इन्हें संगठित वोट बैंक में तब्दील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी वजह से दक्षिण भारत में मोमेंटम बना है और उत्तर भारत मोमेंटम बनने की प्रतीक्षा में है। हाल ही में कांग्रेस के अध्यक्ष बने मल्लिकार्जुन खड़गे संगठन को कितनी धार दे पाएंगे ये भी आने वाले महीनों में पता चलेगा। इतना जरूर है कि इस यात्रा ने और राहुल गांधी के जीवट ने आने वाले दौर के लिए एजेंडा सेट करने का काम तो मोदी एंड कंपनी से जरूर छीन लिया है और संभवतः यही मोदीजी की घबराहट का सबसे बड़ा कारण भी है।

खतौली में चुनाव लड़ेंगे, रामपुर-मैनपुरी में सपा का समर्थन करेंगे

यूपी में गठबंधन की रणनीति तय चौधरी जयंत ने साफ की तस्वीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रालोद अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद चौधरी जयंत सिंह ने उपचुनाव को लेकर गठबंधन की स्थिति साफ कर दी। उन्होंने कहा कि खतौली में रालोद चुनाव लड़ेगा जबकि रामपुर व मैनपुरी में सपा को समर्थन किया जाएगा। रालोद नेता अनुपम मिश्रा ने बताया कि खतौली से दमदार प्रत्याशी को उतारा जाएगा तो निकाय चुनाव भी मजबूती से लड़ेंगे। चुनाव को लेकर रणनीति तय हो चुकी है। उन्होंने गठबंधन की तीनों सीटों पर जीत का दावा किया। वहीं बागपत जनपद के कंडेरा गांव में चौधरी जयंत सिंह ने खेल सुविधाओं को लेकर प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यूपी में खिलाड़ियों को सुविधाएं नहीं मिलती हैं।

यही कारण है कि हरियाणा व दिल्ली जैसे छोटे राज्य के खिलाड़ी यूपी से ज्यादा मेडल जीतकर आते हैं। कहा कि स्टेडियम में तकनीकी शिक्षा देने वाले कोच होने चाहिए। सरकारी नौकरी में प्राथमिकता मिले तो खिलाड़ी प्रोत्साहित होते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी शत-प्रतिशत सांसद निधि खेल का ढांचा तैयार करने के लिए खर्च की जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार महंगाई, अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर चर्चा न करके चीतों पर सस्ती चर्चा करके खुश है। निकाय चुनाव पर उन्होंने कहा कि रालोद मजबूती से चुनाव लड़ेगा और अधिकतर सीटों पर प्रत्याशी उतारेंगे। इसके लिए प्रत्याशियों से आवेदन मांगे गए थे और सभी स्थानों से आवेदन मिले हैं। चयन प्रक्रिया जारी है। चौधरी जयंत सिंह ने कहा कि सरकार ने अभी तक वर्तमान सत्र के लिए गन्ना मूल्य घोषित नहीं किया है। अब खतौली समेत तीन सीटों पर उप चुनाव होने हैं। सरकार अब गन्ना मूल्य घोषित कर दे। क्योंकि सरकार चुनाव को देखकर ही इस तरह के फैसले लेती है। इससे साफ है कि सरकार किसानों की हितैषी नहीं है।

मुलायम की कर्मभूमि पर कौन लड़ेगा चुनाव, अखिलेश ने किया मंथन

मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए सपा ने कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए सपा ने तैयारी शुरू कर दी है। सैफई में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मैनपुरी के नेताओं के साथ चर्चा की। उपचुनाव में प्रत्याशी के लिए सामूहिक रूप से जानकारी लेने के बाद अलग-अलग नेताओं की राय जानी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उपचुनाव हर हाल में जीतना ही पार्टी का लक्ष्य है। लोकसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी की घोषणा कर दी जाएगी। क्षेत्रीय सांसद सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद लोकसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। सपा संरक्षक हमेशा इटावा को अपनी जन्म भूमि तथा मैनपुरी को अपनी कर्मभूमि बताते रहे हैं। लोकसभा में मैनपुरी का प्रतिनिधित्व सपा संरक्षक के अलावा उनके भतीजे धर्मेंद्र यादव तथा पौत्र तेजप्रताप यादव भी कर चुके हैं। सपा का गढ़ कही जाने वाली मैनपुरी सीट सपा संरक्षक की गैर मौजूदगी में सपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बनी हुई है। सैफई में राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलने स्थानीय सपा नेता पहुंचे। सपा नेताओं से राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सामूहिक रूप से उपचुनाव के लिए प्रत्याशी को लेकर उनकी राय जानी। बाद में बंद कमरे में अलग अलग एक एक नेता को बुलाकर उनकी उपचुनाव के लिए बेहतर प्रत्याशी के संबंध में राय जानी।

सपा ने कमिश्नर आंजनेय कुमार को हटाने की मांग की

मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह को हटाए जाने की मांग की है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश, लखनऊ से समाजवादी पार्टी ने रामपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में उप निर्वाचन 2022 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक, भयमुक्त सम्पन्न कराने के लिए मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह को उनके वर्तमान पद से तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने दिए गए ज्ञापन में कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की रामपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का उप निर्वाचन-2022 दिनांक 05 नवम्बर-2022 को घोषित कर दिया है। मुरादाबाद के वर्तमान मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह लंबे समय तक रामपुर में जिलाधिकारी रह चुके हैं और पदोन्नत होकर मंडलायुक्त के पद पर भी काफी समय से तैनात हैं, इसी मंडल में जनपद रामपुर है। ज्ञापन के अनुसार विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 के समय आंजनेय कुमार सिंह पर भाजपा कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने का आरोप लगा था। इसकी शिकायत दिनांक 29 जनवरी 2022 को मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से पत्र संख्या-2204 दिनांक 29 जनवरी 2022 द्वारा आंजनेय कुमार को स्थानान्तरित कराने की मांग की गई थी। रामपुर लोकसभा उप चुनाव के समय भी आंजनेय रामपुर के मंडलायुक्त के पद पर थे और अब 37-रामपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में उप निर्वाचन 2022 होने जा रहा है।

महोबा के हर घर को शुद्ध पेयजल का तोहफा

प्रमुख सचिव नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने किया निरीक्षण, जल निगम के एमडी डॉ. बलकार सिंह भी रहे साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महोबा। बुंदेलखंड की बड़ी आबादी को इसी महीने शुद्ध पेयजल का बड़ा तोहफा मिलने जा रहा है। योगी सरकार ने महोबा के हर घर तक नल से पेयजल की आपूर्ति की तैयारी पूरी कर ली है। मंगलवार को प्रमुख सचिव नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव और जल निगम के एमडी डॉ. बलकार सिंह ने एक के बाद एक जिले की कई योजनाओं का निरीक्षण किया। महोबा पहुंचे अफसरों ने शिवहर और लहचुरा के साथ जल जीवन मिशन की कई योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

दिसम्बर तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चरखारी विकास खंड के शिवहर गांव में ग्राम समूह पेयजल योजना बनकर तैयार हो चुकी है। माह के अंत तक योजना से 69 गांव के 27492 परिवारों तक शुद्ध पेयजल मिलने लगेगा। योजना से कुल 137460 जनता लाभान्वित होगी। महोबा पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने योजना का निरीक्षण किया। वो योजना स्थल पहुंचे और कार्य करा रही कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों से मिले। उन्होंने विभाग के अधिकारियों से योजना की प्रगति जानी, विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वच्छता का ध्यान रखने के साथ ढिलाई बरतने वाले अफसरों को फटकार भी लगाई। उन्होंने चेतावनी के लहजे में कहा कि हर हाल में तय समय पर गांव में पानी की सप्लाई शुरू कराई जाए। एक भी दिन योजना को विलम्बित करने वाले अफसरों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि बरसात में जिन स्थानों पर पानी जमा है वहां पम्पसेट से पानी निकालकर काम पूरा किया जाए।

जनतंत्र को कुचल रही मोदी और योगी की सरकार : पाटेकर

एयरपोर्ट नहीं, कृषि मंडियों की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ जिले में 27 दिनों से चल रहे किसानों के धरने में जन आंदोलन की नेता मेघा पाटेकर शामिल हुईं। जिले में एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के विरोध में जमुआ में विगत 27 दिनों से महिलाओं और किसानों का धरना प्रदर्शन चल रहा है।

यहां के लोगों का कहना है कि हम अपनी जान दे देंगे पर जमीन नहीं। इस धरना प्रदर्शन के पक्ष में एक दिन पूर्व हरियाणा और उत्तराखंड के किसान नेता शामिल हुए थे और इसका विरोध किया था। किसान नेताओं ने सरकार और प्रशासन को चेतावनी भी दी थी। किसानों के पक्ष में जनसभा करने कल किसान नेता राकेश टिकैत भी आ रहे हैं। किसानों के पक्ष में सभा को संबोधित करते हुए जन आंदोलन की नेता मेघा पाटेकर का कहना है कि प्रदेश की योगी और केंद्र की मोदी सरकार जनतंत्र को कुचलने का काम कर रही है।

मै प्याज़ और लहसुन नहीं खाती....

बामुलाहिज़ा
कार्टून: हसन जैदी

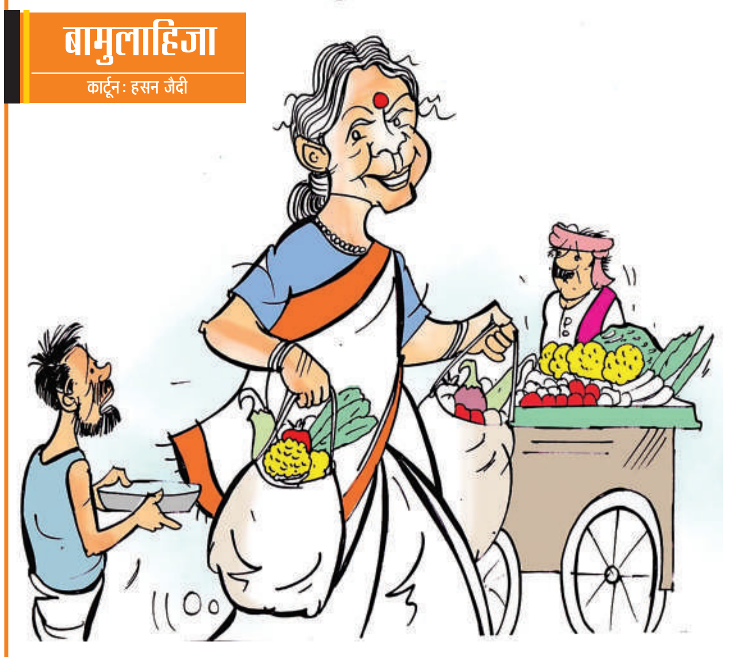

भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट लॉन्चिंग को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-एस 12 नवंबर से 16 नवंबर के बीच लॉन्च के लिए तैयार है। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने यह घोषणा की। स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला मिशन, जिसका नाम 'प्रारंभ' है, तीन लोगों को ले जाएगा। इसे श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के लॉन्चपैड से लॉन्च किया जाएगा। स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ और सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना ने कहा कि अधिकारियों ने 12 नवंबर से 16 नवंबर के बीच लॉन्च विंडो को नोटिफाई किया है। मौसम की स्थिति के आधार पर अंतिम तारीख तय की जाएगी।

इस मिशन के साथ ही, स्काईरूट एयरोस्पेस भारत की पहली प्राइवेट कंपनी बन जाएगी जिसने अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च किया हो। इसे एक नए युग की भी शुरुआत माना जा रहा है और इसे साल 2020 में प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला गया था। स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ नागा भरत डाका ने कहा, विक्रम-एस रॉकेट एक सिंगल-स्टेज सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल है जो तीन लोगों को ले जाएगा और अंतरिक्ष लॉन्च वाहनों की विक्रम श्रृंखला में अधिकांश तकनीकों का परीक्षण और सत्यापन करने में मदद करेगा।

न्यू जिम कार्बेट बनाएगी योगी सरकार

टाइगर सफारी के तौर पर विकसित होगा बिजनौर का अमानगढ़ जंगल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों और वन्य जीवों के संरक्षण के लिए योगी सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके लिए जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान से जुड़े उत्तर प्रदेश के हिस्से को विकसित करने की योजना है। सरकार उन इलाकों को संरक्षित करने के लिए अभियान चलाने जा रही है, जहां बाघों की आवाजाही होती है। इस इलाके को 'न्यू जिम कार्बेट' नाम देने पर विचार हो रहा है। इसका मकसद स्थानीय स्तर पर विचरण वाली वन्यजीव आबादी को सुरक्षित आश्रयस्थल देना और अपनी तरह के अनोखे वन क्षेत्र का संरक्षण करना है। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्च स्तरीय बैठक में निर्देश दिया है। जल्द ही इस पर कैबिनेट की मुहर लग जाने की उम्मीद है।

बिजनौर के अमानगढ़ में लगभग 80 वर्ग किलोमीटर में फैले इस जंगल को टाइगर सफारी बनाया जाएगा। यही जंगल उत्तराखंड के जिम कार्बेट जंगल से जुड़ा है। साथ ही, इसे इको और गंगा टूरिज्म से भी जोड़ा जाएगा। इसके अलावा यहां पर पर्यटकों के लिए विश्व पर्यटन स्थल की सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी। इससे स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या 173 है। जिम कार्बेट का हिस्सा होने के कारण इस वन क्षेत्र में भी काफी संख्या में बाघ मौजूद हैं। यहां आने वाले पर्यटकों को टाइगर सफारी के साथ-साथ कई प्रकार के पक्षियों, वनस्पतियों, नदियों, झरनों, वादियों और पहाड़ों को भी आनंद मिलेगा। इसके अलावा पर्यटक नजदीक से तेंदुआ, बाघ और हिरण को देख भी सकेंगे। जंगल सफारी के अलावा इस क्षेत्र में हाथी की सवारी, कैम्पिंग, ट्रैकिंग जैसी एक्टिविटीज का भी मजा लिया जा सकेगा। हाथी की सवारी के लिए महावत की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, कैम्पिंग और ट्रैकिंग के लिए ट्रेनर रखे जाएंगे। इससे पर्यटक पूरी सुरक्षा के साथ अपनी ट्रिप का लुत्फ उठा सकेंगे। पर्यटकों को रुकने के लिए भी यहां सारी व्यवस्थाएं रहेंगी। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सरकारी विश्राम स्थल के साथ-साथ प्राइवेट होटल्स भी यहां खोले जाएंगे। इसके अलावा रिजॉर्ट और खाने-पीने के लिए कैंटीन की सुविधा भी सरकार उपलब्ध करवाएगी।

शत्रु संपत्तियों पर कब्जे के खिलाफ एक्शन मोड में सरकार

लखनऊ। माफिया पर चाबुक चलाने के बाद उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अब शत्रु संपत्तियों पर अवैध कब्जा करके बैठे लोगों के खिलाफ बड़ा एक्शन लेने जा रही है। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब इन संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रमुख सचिव स्तर का नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश में मौजूद कुल 5936 शत्रु संपत्तियों में से 1826 पर अवैध कब्जेदार कब्जा करके बैठे हैं। एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यूपी में शत्रु संपत्तियों को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों का रवैया हमेशा उदासीन रहा है। हजारों करोड़ रुपये की ऐसी संपत्तियां जिनसे प्रदेश सरकार को अरबों रुपये का राजस्व मिल सकता था, उनको मुक्त कराने के लिए पहले की सरकारों ने कुछ नहीं किया। इसी उदासीनता का नतीजा है कि अवैध कब्जेदार इन पर आज भी काबिज हैं और नये निर्माण भी कर चुके हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन बेशकीमती संपत्तियों के महत्व को समझते हुए और प्रदेश के राजस्व को बढ़ाने के लिए ऐसे अवैध कब्जेदारों पर चाबुक चलाने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश भूलेख की वेबसाइट upbhulekh.gov.in को देखें तो 1467 शत्रु संपत्तियों पर माफिया और अवैध कब्जेदारों ने कब्जा कर रखा है, जबकि 369 पर सहकब्जेदारों का कब्जा है। वहीं 424 संपत्तियों पर कांग्रेस, जनता पार्टी, बसपा और सपा सरकारों के कार्यकाल में मामूली दरों पर किराये पर दिए गए किरायेदार काबिज है। इस तरह प्रदेश में मौजूद 2250 शत्रु संपत्तियों पर किसी न किसी का कब्जा है।

इको टूरिज्म से भी जोड़ा जाएगा अमानगढ़

अमानगढ़ आने वाले पर्यटकों को गंगा टूरिज्म का लुत्फ भी मिलेगा। बिजनौर के महात्मा विदुर की कुटी, बालावाली, व गंगा बैराज को गंगा सर्किट में शामिल किया जा रहा है। इससे अमानगढ़ आने वाले पर्यटक इन स्थलों का भी आनंद ले सकेंगे। योगी सरकार के वन डिस्ट्रिक्ट वन डेस्टिनेशन (ओडीओडी) योजना में अमानगढ़ भी शामिल है। इसके तहत इसे इको टूरिज्म से जोड़ा जाएगा। इससे पर्यटकों को जंगल, ताल या झील के किनारे अपनी छुट्टियां बिता सकेंगे। वन-डे-टुअर के तौर पर भी यह काफी मुफीद जगह हो जाएगी। मुख्यमंत्री योगी का मानना है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर की बनाने में यूपी के सांस्कृतिक, धार्मिक और वन पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसी के दृष्टिगत इस क्षेत्र को नए सिरे से विकसित करने तैयारी चल रही है। यूपी सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि जिम कॉर्बेट पार्क का हिस्सा अमानगढ़ में आता है। इसे न्यू जिम कॉर्बेट नाम देने पर विचार कर रहे हैं। इस हिस्से में बाघ काफी विचरण करते हैं। इसलिए उनका संरक्षण करना बहुत जरूरी है। इसी कारण सरकार इस दिशा में बहुत तेजी से काम कर रही है। इस पर कैबिनेट में मुहर लगेगी। इसके बाद इसका खाका तैयार होगा। उन्होंने कहा कि भारत पिछले दो दशक से बाघ संरक्षण की दिशा में काम कर रहा है। इसी का नतीजा है कि देश में पिछले 8 सालों में बाघों की संख्या दोगुनी हो गई है।

इस पर भी डाले एक नजर

यूपी में दुधवा, पीलीभीत और अमनगढ़ के बाद राज्य में चित्रकूट के रानीपुर को चौथा टाइगर रिजर्व घोषित किया गया है। रानीपुर वाइल्ड संेचुरी को केंद्र सरकार ने देश के 53वें टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया है। इसे केंद्रीय पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बाघ संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल करार दिया है। ज्ञात हो कि भारत बाघ संरक्षण को लेकर दुनियाभर में चर्चित है, देश में 1973 में सिर्फ 9 टाइगर रिजर्व थे, जिनकी संख्या बढ़कर 53 हो गई है और देश में मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा 526 बाघ पाए जाते हैं।

यूपी में वन ट्रिलियन इकोनामी का लक्ष्य साधेगी योगी सरकार, निवेश का खाका तैयार

» जल्द ही प्रस्ताव कैबिनेट में रखा जाएगा

» मूलभूत सुविधाओं पर बारीकी से होगा काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर (लगभग 82 लाख करोड़ रुपये) की अर्थ व्यवस्था बनाने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार अगले पांच वर्षों के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, न्यायिक प्रणाली, शिक्षा, भारी उद्योग आदि क्षेत्र में लगभग 40 लाख करोड़ रुपये की राशि खर्च करेगी। निवेश का खाका तैयार कर लिया गया है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के समक्ष प्रस्ताव को प्रस्तुत भी कर दिया गया है।

अब जल्द ही प्रस्ताव को कैबिनेट में रखा जाएगा। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के समक्ष रखे गए प्रस्ताव में बताया गया कि प्रदेश को वन ट्रिलियन इकोनामी बनाने के लिए मूलभूत सुविधाओं के साथ कई बिंदुओं पर बारीकी से काम करना होगा। सालाना विकास दर को 30 से 35 प्रतिशत तक बढ़ाना होगा। जीएसडीपी (ग्रास स्टेट डोमेस्टिक प्रोडेक्ट) के निवेश को बढ़ाकर 43 से 47 प्रतिशत तक ले जाना होगा। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लक्ष्य को बढ़ाकर 45 प्रतिशत तक ले जाने पर कार्य करना होगा। जानकारों की मानें तो इन बिंदुओं पर फोकस करने के बाद आसानी से वन ट्रिलियन इकोनामी के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। इसके साथ ही प्रदेश में आयात को घटाकर निर्यात पर फोकस करने पर जोर होगा। इससे प्रदेश में अधिक से अधिक इकाइयां तो लगेंगी ही साथ ही रोजगार भी बढ़ेगा।

निवेश नीति का खाका तैयार

निवेशकों को लुभाने के लिए इंवेस्टमेंट नीति का खाका तैयार किया गया है। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और नई इकोनामी को विभिन्न चरणों में बांटने पर जोर दिया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर को दो भागों में बांटा गया है, जिसके हार्ड और साफ्ट दो हिस्से हैं। हार्ड इंफ्रास्ट्रक्चर में लाजिस्टिक के साथ पावर और एनर्जी शामिल है जबकि साफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में नियामक, न्यायिक प्रणाली, शिक्षा, स्वास्थ्य को शामिल किया गया है। वहीं सर्विस में पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य को शामिल किया गया है।

24 लाख बेड के अस्पतालों का होगा निर्माण

साफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत पूरे प्रदेश में आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था के लिए योगी सरकार को वर्ष 2022 से 2027 के बीच करीब 2.1 लाख करोड़ खर्च करने होंगे। 24 लाख बेड के अस्पतालों का निर्माण किया जाएगा। करीब 4.35 लाख डाक्टर और 17 लाख नर्स की भर्ती की जाएगी जबकि हार्ड इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत अधीनस्थ न्यायालय में 1092 जज की नियुक्ति की जाएगी। वहीं हाईकोर्ट में 90 नए जज की नियुक्ति की जाएगी। वहीं 13 लाख करोड़ बिजली, 25 लाख करोड़ रोड और 200 करोड़ रुपये न्यायिक प्रणाली पर खर्च किए जाएंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

और मजबूत होंगे इजराइल से रिश्ते

> अगर नेतन्याहू की बात करें, तो उनकी यह जीत व्यक्ति गत रूप से उनके लिए बड़ी चुनौती लेकर भी आई है। चुनौती यह है कि प्रधानमंत्री के पिछले कार्यकाल में उन पर भ्रष्टाचार के जो आरोप लगे थे, या तो उन्हें इससे मुक्ति पानी होगी या फिर भ्रष्टाचारी की छवि के साथ ही रहना होगा। वर्ष 2019 से अभी तक इजराइल में जितने भी चुनाव हुए हैं, वे सब नेता के रूप में नेतन्याहू की योग्यता-क्षमता पर मुहर ही हैं।

इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू की जीत भारत के लिए भी अहम है। नेतन्याहू की धुर दक्षिणपंथी पार्टी को पिछले चुनाव की तुलना में संसद में दोगुना सीटें मिली हैं। विश्लेषकों का मानना है कि सुरक्षा मामलों में सत्तारूढ़ लिकुड पार्टी का अब पूरा नियंत्रण होगा। लिकुड पार्टी पारंपरिक रूप से फलस्तीन तथा इजराइल के राजनीतिक और सैन्य नियंत्रण में रहने वाले फलस्तीनियों की घनघोर विरोधी है। जाहिर है यह चुनावी नतीजा फलस्तीनियों के लिए मुसीबत और उसके समर्थक अरब देशों के साथ इजराइल के संघर्ष की आशंका के साथ आया है। अगर नेतन्याहू की बात करें, तो उनकी यह जीत व्यक्ति गत रूप से उनके लिए बड़ी चुनौती लेकर भी आई है। चुनौती यह है कि प्रधानमंत्री के पिछले कार्यकाल में उन पर भ्रष्टाचार के जो आरोप लगे थे, या तो उन्हें इससे मुक्ति पानी होगी या फिर भ्रष्टाचारी की छवि के साथ ही रहना होगा। वर्ष 2019 से अभी तक इजराइल में जितने भी चुनाव हुए हैं, वे सब नेता के रूप में नेतन्याहू की योग्यता-क्षमता पर मुहर ही हैं। इजराइल पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि सत्ता में आने के बाद नेतन्याहू की पार्टी अब धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे अपराधों को, जिसके आरोप में नेतन्याहू पर मुकदमा चल रहा है, दंड संहिता से बाहर करने, इजराइल के हाईकोर्ट को असांविधानिक कानूनों पर फैसला देने से रोकने और जजों की नियुक्ति पर संसद द्वारा पूरा नियंत्रण रखने जैसे कदम उठाने की योजना बना रही है।

नेतन्याहू ने पांच साल में हुए पांचवें चुनाव में निर्णायक विजय हासिल की है, हालांकि इस बीच सत्रह महीने तक उन्हें विपक्ष में रहना पड़ा। बीबी को इस बार के चुनाव में एक ऐसे विपक्ष का सामना करना पड़ा, जिसका नारा था, बीबी को छोड़कर कोई भी। सिर्फ भविष्य ही बताएगा कि वर्ष 2024 में भारत में होने वाले लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी के खिलाफ विपक्ष का चुनावी अभियान कितना सफल होगा। नेतन्याहू की यह जीत फौरी तौर पर भारत के साथ इजराइल के रिश्तों को और मजबूती प्रदान करेगी। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ भारत क्वाड का सदस्य तो है ही, भारत आई2यू2 समूह का भी सदस्य है, जिसका शुरुआती नाम इंटरनेशनल फोरम फॉर इंटरनेशनल को-ऑपरेशन था। इस संगठन में भारत के अलावा अमेरिका, इस्राइल और संयुक्त अरब अमीरात हैं। इसकी पहली बैठक विगत जुलाई में ऑनलाइन हुई थी। चूंकि इन दोनों ही समूहों के नेताओं से नरेंद्र मोदी की अच्छी दोस्ती है, लिहाजा भारत को इसका लाभ मिल सकता है। मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री का पद छोड़ने वाले लीपिड को तो शुक्रिया कहा ही, उन्होंने फिर प्रधानमंत्री बने नेतन्याहू को भी बधाई दी है। जाहिर है, मोदी और नेतन्याहू भारत-इजराइल रिश्ते को नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में काम करेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इमरान पर हमले से उपजे सवाल

टीसीए रंगाचारी, पूर्व राजनयिक

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर जानलेवा हमले के बाद कई तरह की चर्चा पुरजोर है। कोई इसे 'पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान की बदले की कार्रवाई' कह रहा है, तो कोई 'इमरान खान का मास्टर प्लान'। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं में जिस इंसान को गोली लगती है, उसके पक्ष में सहानुभूति पैदा होती है और उसे इसका सियासी लाभ मिलता है। मगर क्या इमरान खान को अभी इसकी जरूरत है? गुजरे जुलाई माह में पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब की विधानसभा की 20 सीटों के लिए जब उप-चुनाव हुए थे, तब इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने एकतरफा 15 सीटों पर जीत हासिल की थी। साफ है, पीटीआई को लोग पसंद करते हैं। ऐसे में, ताजा घटनाक्रम काफी संवेदनशीलता की मांग करता है। सतही कयासबाजी के बजाय हमें वहां की जांच एजेंसियों के नतीजों का इंतजार करना चाहिए।

असली सवाल यह है कि पाकिस्तान में आम लोगों के हाथों में आसानी से हथियार कैसे आ गए हैं? यह बहुत कुछ अमेरिका जैसा है, जहां हर किसी के पास बंदूक है और यह भरोसा नहीं कि कौन किस मंशा से गोली चला दे। हालांकि, दोनों देशों में बड़ा अंतर यह है कि अमेरिका बंदूक रखने को वैधानिक स्वीकृति दे चुका है, जबकि पाकिस्तान में इसके लिए लाइसेंस लेना पड़ता है, बिल्कुल हमारे देश की तरह। जहां तक नॉर्थ-वेस्ट फ्रंटियर प्रोविन्स (अब खैबर पख्तूनख्वा) का सवाल है, तो वहां करीब एक दशक (1979-89) तक चले सोवियत-अफगान युद्ध के समय भारी मात्रा में असलहा पहुंचे थे। उस गुरिल्ला जंग में एक तरफ अफगानिस्तान के मुजाहिदीन थे, तो दूसरी तरफ तत्कालीन सोवियत संघ (अब रूस) के जवान। तब पाकिस्तानी फौज व उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के जरिये मुजाहिदीन को भारी मात्रा में हथियार उपलब्ध कराए गए थे, जिनमें विदेश (खासकर अमेरिका) से मिले हथियार भी थे। उस दौर में असलहा बनाने वाली कई अनधिकृत कंपनियां भी फ्रंटियर में खुलीं, जहां से बिना किसी लाइसेंस से हथियार खरीदे जा सकते थे। बाद के वर्षों में इस सबका असर पंजाब सूबे पर भी पड़ा। संभवतः इसी खतरे को

भांपकर अमेरिका ने युद्ध-समाप्ति के बाद अपनी स्टिंगर मिसाइलें मुजाहिदीन को भारी कीमत चुकाकर वापस खरीदीं। ऐसा लगता है कि साल 2007 में पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो पर चली गोलियां उसकी आशंका को सच साबित कर गई। यहां यह नहीं कहा जा सकता कि राजनेता इसको शह देते हैं। कोई भी प्रधानमंत्री नहीं चाहेगा कि उसके अवाम के हाथों में बंदूक हो। इससे अराजक स्थिति पैदा होती है। असल में, वहां के नेता यह समझ नहीं पा रहे कि इस समस्या से कैसे पार पाया जाए? हां, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को जरूर कठघरे में खड़ा किया जा सकता है, जो शायद उतनी तत्पर नहीं हैं।

नियमों की बात करें, तो भारत और पाकिस्तान के कानून में शायद ही कोई अंतर है। मुझे याद है, 1988 में जब बतौर प्रधानमंत्री राजीव गांधी पाकिस्तान जाने वाले थे, तब मैं अपनी सेवा वहीं दे रहा था। उस वक्त उसके सूबाई व मुल्क के आला पुलिस अधिकारियों के साथ हमारी नियमित सुरक्षा बैठकें हुआ करती थीं। अंतर सिर्फ यह है कि हमारी 'रूल्स-बुक' का जिल्द नीला है और उनका हरा, जिससे वे अपनी नियम-पुस्तिका को 'ग्रीन बुक' कहते हैं। पाकिस्तान में 'बंदूक संस्कृति' ने किस हद तक अपनी पैठ बना ली है, इसका अंदाज इस एक घटना से लग जाता है कि जब करीब एक दशक पहले वहां के एक सेवानिवृत्त अधिकारी भारत आए थे (वह पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी रह चुके थे), तो उन्होंने व्यक्तिगत मुलाकात में एक दिलचस्प वाकये का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके यहां फ्रंटियर का एक युवक काम करता था, जो एक बार छुट्टी लेकर अपने घर गया, मगर काफी दिनों तक वापस नहीं लौटा। उनको चिंता हुई, तो उन्होंने उसकी खोज-खबर लेने का प्रयास किया। संपर्क साधने पर उस युवक ने कहा कि वह पूरी तरह ठीक है, बल्कि वह एक स्थानीय तंजीम (गुट) में शामिल हो गया है, जिसे अब वह नहीं छोड़ना चाहता। जब उस अधिकारी ने उसे इसके खतरे बताए, तब उसने दृढ़ता से कहा, उसे बंदूक दी गई है और जब बंदूक हाथ में होती है, तो इलाके में रुतबा काफी ज्यादा ब? जाता है। मेरा मानना है कि इस तरह की सोच अब पूरे पाकिस्तान में विस्तार पा चुकी है। इमरान खान पर गोली चलाने वाले शख्स ने किस वजह से बंदूक उठाई या हमला करने के पीछे उसकी मंशा क्या थी, इसका सही-सही जवाब तो वही दे सकता है। पूछताछ के बाद ही यह पता चल सकेगा, लेकिन वहां ऐसी जांच भी कितनी दूर तक जाती है, उस पर सवाल बना रहता है। मसलन, पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद संयुक्त राष्ट्र के जांच अधिकारी पाकिस्तान बुलाए गए थे, पर नतीजा सिफर रहा। इसी तरह, पूर्व राष्ट्रपति जिया-उल हक के विमान हादसे की जांच भी अंजाम तक नहीं पहुंच सकी।

नई सरसों के खिलने की बुनियादी शर्त

हरजिंदर

हथेली पर सरसों उगाना एक मुहावरा है, लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों की हथेली पर जेनेटिकली मॉडिफाइड, यानी जीएम सरसों के जो बीज पिछले दिनों रखे, वे भारतीय कृषि के नजारे को काफी हद तक बदल सकते हैं। यह सब रातोंरात नहीं होगा, अभी तो केंद्र सरकार ने सिर्फ इसकी इजाजत ही दी है। अब हमारे पास है सरसों की एक ऐसी किस्म, जिसे 28 फीसदी तक अधिक उपज के दावे के साथ पेश किया गया है। हालांकि खेतों में बड़े पैमाने पर इस सरसों की बुवाई का मौका दो साल बाद ही आएगा। मगर एक उम्मीद बनी है, जो हो सकता है कि दूर तक भी चली जाए। ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि देश की किसानी इस समय जिन संकटों से जूझ रही है, क्या उसमें इस तरह की फसलें कुछ मदद कर सकेंगी? बीटी कपास एकमात्र ऐसी जीएम फसल है, जिसकी लंबे समय से देश में बुवाई हो रही है। इसकी बदौलत देश कपास के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक बन गया है। फिर, तरह-तरह के कीटों के प्रकोप से कपास की फसल जिस तरह से पहले पूरी तरह बर्बाद हो जाया करती थी, वैसी घटनाएं इतनी कम हो गई हैं कि अब उनकी चर्चा भी नहीं होती। निस्संदेह, कपास किसानों से जुड़ी बर्बादी की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन क्या उनकी हालत भी बेहतर हुई है? कपास किसानों की माली हालत की तुलना अगर हम गेहूं या अन्य फसलें उपजाने वाले किसानों से करें, तो उनमें कोई बड़ा अंतर नहीं दिखता।

जीएम सरसों को हरी झंडी दिखाने के फैसले को कुछ विशेषज्ञों ने दूसरी हरित क्रांति की शुरुआत कहा है। एक अर्थ में यह बात सही भी साबित हो सकती है। पहली हरित क्रांति तब हुई थी, जब देश भीषण खाद्य संकट से गुजर रहा था। आज भी कुछ लोग उस हरित क्रांति की ढेर सारी खामियां गिनाते हैं, लेकिन उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया। इस दूसरी हरित क्रांति की बात उस समय हो रही है, जब देश खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भरता से लगातार दूर जा रहा है। देश की खाद्य तेलों की 60 फीसदी जरूरत आज भी आयात से पूरी होती है। आयात पर इस निर्भरता को खत्म करना है, तो तिलहन की उपज तेजी से बढ़ानी होगी, जीएम सरसों में जो वादा या दावा किया जा रहा है, उससे भी कहीं ज्यादा तेजी से। मुमकिन है कि कुछ लगातार प्रयासों से यह लक्ष्य भी हासिल हो जाए। मगर क्या इससे किसानों की समस्याएं भी खत्म हो जाएंगी? क्या सरसों की अधिक पैदावार किसानों की अधिक आमदनी की गारंटी बन सकेगी? यह बात याद रखनी भी जरूरी है कि जिसे हम पहली हरित क्रांति कहते हैं, उसने देश के खाद्य संकट का समाधान तो किया ही था, किसानों की बहुत सारी समस्याओं को भी हल किया था। पहली हरित क्रांति के पीछे भी विज्ञान था, गेहूं की एक उन्नत किस्म थी, जिसे मैक्सिको के वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग ने काफी प्रयासों से विकसित किया था। बौने पौधे वाली गेहूं की इस किस्म में अधिक उपज की गारंटी तो थी ही, साथ-साथ यह फसल को कई तरह के रोगों और कीटों से भी बचाती थी। इसकी अधिक उपज के साथ एक शर्त यह भी जुड़ी थी कि किसान खेती के अपने परंपरागत तरीकों को बदलें। खेत की उर्वरता बढ़े और समय पर सिंचाई का पक्का इंतजाम हो। नॉर्मन बोरलॉग ने विज्ञान की अपनी जादूगरी से हमें जो बीज सौंपे थे, अगर हम उसके लायक जमीन न तैयार कर पाते, तो वह जादू कम से कम भारत में तो अपना तिलस्म खो बैठता। शुरुआत के कुछ साल तो इसी जमीन को तैयार करने में बीते। किसानों को प्रशिक्षण देने के अलावा बड़े पैमाने पर उर्वरकों का इंतजाम किया गया। यह रासायनिक खाद इतनी महंगी थी कि उन्हें खरीद पाने की हैसियत देश के आम किसानों की नहीं थी। किसानों को उर्वरकों का इस्तेमाल सिखाने से कहीं ज्यादा कठिन था, अर्थशास्त्रियों और नीति-नियामकों को उनकी कीमत कम करने के लिए राजी करना। एक दूसरा खतरा भी था, जिसे समय रहते भांप लिया गया था। डर यह था कि अगर इन सबसे उपज वास्तव में बढ़ गई, तो एक समय के बाद किसान सिर्फ हरित क्रांति की कामयाबी की वजह से दिवालिया होने के कगार पर पहुंच जाएंगे। जिस साल उपज रिकॉर्ड तोड़ होगी, मंडियों में गेहूं के भाव गोते लगाएंगे और सारी मेहनत के बाद किसानों के हाथ कुछ नहीं आएगा। इन दोनों चीजों का जो समाधान निकाला गया, वह हरित क्रांति का मूल आधार था। यानी, लागत पर सब्सिडी और उपज की खरीद की गारंटी। इन दोनों चीजों के लिए बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत थी, खासकर उपज की खरीद के लिए। जगह-जगह इस सोच के साथ खरीद केंद्र बने कि उपज बेचने के लिए किसानों को सैकड़ों मील दूर की यात्रा न करनी पड़े। भारतीय खाद्य निगम के इतने भारी-भरकम गोदाम बने, जो कुछ जगह तो नगरों का सबसे महत्वपूर्ण लैंडमार्क ही बन गए। जल्द ही इतनी उपज होने लगी कि गोदामों में जगह नहीं बची। उनके बाहर अनाज के सड़ने और चूहों का भोजन बन जाने की खबरें सालाना रस्म बन गईं। महामारी के बाद आज अगर 80 करोड़ से ज्यादा आबादी को मुफ्त अनाज इस देश के खाद्य बाजार और संतुलन पर दबाव बनाए बिना दिया जा रहा है, तो इसका बहुत बड़ा श्रेय इसी हरित क्रांति को जाता है। पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के जिन हिस्सों में इसे सबसे अच्छी तरह लागू किया गया, वहां के किसान इससे भले ही बहुत अमीर नहीं हुए, लेकिन उनकी बदहाली तो जरूर दूर हुई। कई दशक बाद यह बदहाली अब तकरीबन सभी जगह लौटने लगी है।

बच्चों को स्पोर्ट्स में करें फुल सपोर्ट

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए पैरेंट्स अक्सर उन्हें पढ़ाई पर फोकस करने की सलाह देते हैं। हालांकि, कुछ बच्चे पढ़ने से ज्यादा खेल-कूद में दिलचस्पी लेने लगते हैं, जिसके चलते माता-पिता बच्चों के फ्यूचर को लेकर परेशान हो जाते हैं। अगर आपका बच्चा भी गेम्स में काफी इंटरेस्ट लेता है तो उसे रोकने की जगह कुछ खास तरीकों से आप बच्चों को बढ़ावा दे सकते हैं। दरअसल, गेम्स में दिलचस्पी लेना बच्चों का कॉमन स्वभाव होता है मगर कुछ बच्चे गेम्स में करियर बनाने को लेकर सीरियस नज़र आते हैं। ऐसे में बच्चों को प्रोत्साहित करके आप न सिर्फ उनका मनोबल बढ़ा सकते हैं, बल्कि बच्चों का करियर बनाने में उन्हें फुल सपोर्ट भी कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं बच्चों को गेम्स खेलने के लिए मोटिवेट करने के कुछ आसान टिप्स के बारे में।

बचपन से खेलने की ट्रेनिंग दें

कई बार पैरेंट्स बच्चों को खेलने पर पाबंदी लगा देते हैं। जिससे बच्चे खेल के प्रति अपने हुनर को निखारने में असफल हो जाते हैं। ऐसे में बच्चों के अंदर खेल की प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए उन्हें गेम्स खेलने से न रोकें। साथ ही पैरेंट्स और दोस्तों के साथ बच्चों को अलग-अलग खेल खेलने की सलाह दें।

स्पोर्ट्स में करें सपोर्ट

पैरेंट्स बच्चों को स्कूल में पढ़ाई के अलावा एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं। खासकर स्कूल की स्पोर्ट टीम का हिस्सा बनकर बच्चे आसानी से अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं। इसके अलावा आप बच्चों को स्पोर्ट की ट्रेनिंग भी दिलवा सकते हैं।

सीरियस प्लेयर बनाएं

बच्चों को टाइम पास के लिए खेलने की सलाह बिल्कुल न दें। ऐसे में बच्चों को स्टेट लेवल और नेशनल लेवल प्लेयर बनने के लिए प्रोत्साहित करें। जिससे बच्चे खेल के गोल को लेकर सीरियस रहेंगे और गेम्स में अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकेंगे।

डिफरेंट गेम्स ट्राई करें

आमतौर पर पेरेंट्स बच्चों के साथ क्रिकेट, हाइड एंड सीक और खो-खो जैसे नॉर्मल गेम्स खेलते हैं। हालांकि गेम्स में बच्चों का इंटरेस्ट डेवेलप करने के लिए आप बच्चों को बैडमिंटन, फुटबॉल, वॉलीबॉल और गोल्फ ट्राई करने की भी सलाह दे सकते हैं।

बच्चों के साथ गेम्स देखें

बच्चों के साथ अलग-अलग गेम्स देखकर भी आप खेल के प्रति बच्चों की दिलचस्पी बढ़ा सकते हैं। साथ ही बच्चों के साथ गेम्स देख कर आप खेल एंजॉय करने के साथ-साथ उन्हें गेम्स से जुड़ी जानकारी देकर मोटिवेट भी कर सकते हैं।

हंसना मना है

पप्पू जब भी कपडे धोने लगता तब बारिश हो जाती एक दिन धूप निकल आयी तो पप्पू भागा-भागा सर्फ लेने गया रास्ते में ही बादल गर्जन लगे पप्पू आसमान को देखकर बोला- मैं तो नमकीन लेने जा रहा था

बेटा- पापा आपने मम्मी में ऐसा क्या देखा जो आपने उनसे शादी करली? **बाप-** उसके गाल पर छोटा सा तिल बेटा- कमाल है पापा, इतनी छोटी सी चीज के लिए आपने इतनी बडी मुसीबत मोल ले ली

आज भी गाँव में शादी घर वालों की मर्जी से होती है घूघट उठाने के बाद ही पता चलता है कि पत्नी ऐर्श्वया है या जयसूर्या

पति-पत्नी में जोरदार झगडा हुआ पत्नी अपना घर छोडकर मायके चली गई वो ईतने गुस्से में थी की पति के रास्ते से ही मैसेज किया कि अब अपने फोन से मेरा नम्बर भी डलीट कर देना पती ने रिप्लाई किया- Who Is This?

पिता बेटे से- देखो बेटा जुआ एक ऐसी आदत है कि यदि इसमें आज जीतोगे तो कल हारोगे, परसों जीतोगे तो उससे अगले दिन हार जाओगे बेटा- बस पिताजी मैं समझ गया, आगे से मैं एक दिन छोडकर खेला करूँगा

कहानी: तेनालीराम मटके में

एक बार महाराज कृष्णदेव राय तेनालीराम से इतने नाराज हो गए कि उन्होंने उसे अपनी शक्ल न दिखाने का आदेश दे दिया और कहा ,अगर उसने उनके हुक्म की अवहेलना की तो उसे कोड़े लगायें जाएंगे। महाराज उस समय बहुत क्रोधित थे इसलिए तेनालीराम ने वहां से जाना ही उचित समझा। अगले दिन जब महाराज राजदरबार की ओर आ रहे थे तो तेनालीराम से चिढ़ने वाला एक दरबारी महाराज को तेनालीराम के खिलाफ भड़काता जा रहा था। वह महाराज से बोला कि आज तो तेनालीराम ने आपके आदेश की अवहेलना की है। आपके मना करने के बावजूद भी वह दरबार में आया है और वहाँ ऊल -जुलूल हरकते करके सबको हंसा रहा है। दरबारी की बात सुनकर महाराज के कदम तेजी से राजदरबार की ओर बढ़ने लगे। राजदरबार पहुँचते ही महाराज ने देखा की तेनालीराम ने अपने मुख पर मटका पहन रखा है, जिसमें आँख की जगह दो छेद बने हुए हैं। यह देखते ही महाराज आग- बबूला हो गए और तेनालीराम पर गरजे,एक तो तुमने हमारा हुक्म नही माना और ऊपर से ये अजीबों गरीब हरकतें कर रहे हो ।अब तो तुम कोड़े खाने के लिए तैयार हो जाओ। जैसे ही महाराज ने ये कहा, तेनालीराम के विरोधी बहुत खुश हुए लेकिन तभी तेनालीराम बोला,कि महाराज मैंने तो आपकी किसी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया है। आपका आदेश था की मैं आपको अपना चेहरा न दिखाऊ। क्या आपको कहीं से मेरा चेहरा दिख रहा है? यदि ऐसा है तो जरुर उस कुम्हार ने मुझे फूटा हुआ मटका दे दिया है। तेनालीराम की बात सुनते ही महाराज का गुस्सा छूमंतर हो गया और उनकी हंसी छूट पड़ी। वे बोले, किसी ने सच ही कहा है कि बेवकूफों और विदूषकों पर नाराज होना व्यर्थ है। अब इस मटके से मुंह को बाहर निकालो और अपने आसन पर बैठ जाओ। तेनालीराम के विरोधी फिर से मन मारकर रह गए।

6 अंतर खोजें

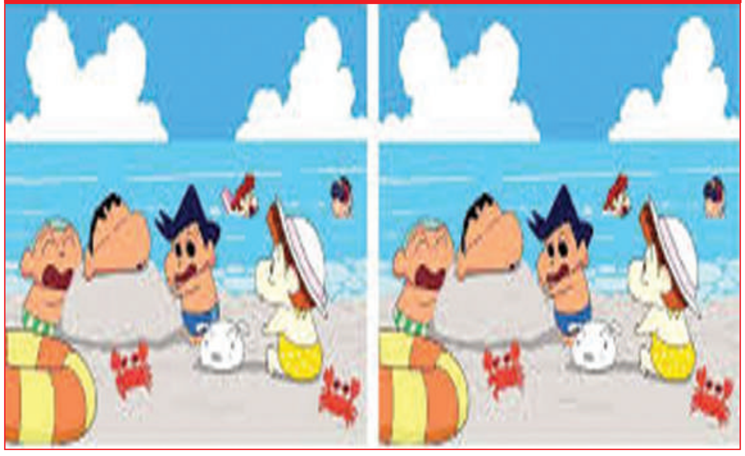

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-खासा मुनाफा देंगे। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नजरिए से समझ-बूझकर थोड़ा खतरा उठाया जा सकता है।

वृषभ कोई खास काम करना चाहते हैं, तो आज का दिन बेहतर है। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। इस राशि के कलाकारों के लिए आज का दिन विशेष रूप से अच्छा है।

मिथुन आज आप जीवनसाथी के स्वभाव में एक गंभीरता का अनुभव करेंगे। आज बिजनेस में कोई रिस्क न लें। लोगों को उधार पैसा देने से बचें।

कर्क सेहत को लेकर ज्यादा देखभाल की जरूरत है। आप घूमने-फिरने और पैसे खर्च करने के मूड में होंगे लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है।

सिंह आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है. परिवार की वजह से आपका मूड थोड़ा खराब हो सकता है। आप खुद को बिजी रखने की कोशिश करेंगे।

कन्या आज आपको अपने परिवार के लोगो की तरफ से कोई उपहार मिल सकता हैं। बेरोजगार लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। विद्यार्थी भी मन लगाकर मेहनत करेंगे।

तुला निवेश से जुडे अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फिल्म देखना आपको सुकून देगा और खुशमिजाज बनाए रखेगा।

वृश्चिक आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार वालों के साथ अधिक समय बितायेंगे। इस राशि के छात्रों के मन में सकारात्मक विचार आयेंगे।

धनु आज नौकरी के क्षेत्र में किया गया प्रयास सफल होगा। परिजनों से संबंध और भी मधुर होंगे। प्रेम संबंधों को लेकर आप बहुत ही उत्साहित रहेंगे।

मकर परिवार की शांति अचानक आयी समस्याओं की वजह से भंग हो सकती है। लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि समय सब ठीक कर देगा।

कुम्भ आज मेहनत का पूरा फायदा आपको मिलेगा। घर के काम को समय से निपटा लेंगे। परिवार वालों के साथ अच्छा टाइम स्पेंड होगा। नई बातों को जानने के लिए आप उत्सुक होंगे।

मीन आज जीवन के प्रति आपका नजरिया सकारात्मक रहेगा। चुप रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं।

फ्रेडी का टीजर रिलीज

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दो दिसंबर को होगी रिलीज

कार्तिक आर्यन हिंदी सिनेमा के किंग बनकर उभर रहे हैं। उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर उस समय हिट फिल्में दी है जब बी टाउन की बड़ी-बड़ी फिल्में फ्लॉप हो रही है। कार्तिक की फिल्में थिएटर ही बल्कि ओटीटी पर भी धमाल मचाती है। कार्तिक आर्यन एक बार फिर ओटीटी पर धमाल मचाने को तैयार है। कार्तिक आर्यन की फिल्म फ्रेडी का टीजर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में कार्तिक का अंदाज काफी अलग देखने को मिल रहा है। फेडी का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में थ्रिलर देखने को मिल रहा है। टीजर में कार्तिक आर्यन का बिल्कुल डिफरेंट अवतार देखने को मिल रहा है। कार्तिक फिल्म में डॉक्टर फ्रेडी गिनवाला के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म 2 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉट स्टार डिज्नी पर रिलीज होगी। कार्तिक आर्यन की फिल्म फ्रेडी को शशांक घोष ने डायरेक्टर की है। फिल्म बालाजी फिल्म्स और नॉर्द लाइट्स के द्वारा बनाई थी। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीजहोगी। कार्तिक आर्यन के काम की बात करें तो एक्टर ने आखिरी बार भूल-भुलैया से थिएटर पर धमाल मचाया था। फिल्म में कियारा आडवाणी और तबू जैसे स्टार्स नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 184 करोड़ की कमाई की थी।

क्यूट दिखूंगी तो और ब्रेंड्स अप्रोच करेंगे : जाह्नवी कपूर

बॉलीवुड गपशप

बोनी कपूर की लाडली बेटी जाह्नवी कपूर रियल लाइफ और रील लाइफ दोनों में काफी अलग नजर आती हैं। ऑनस्क्रीन इमेज जहां एक ओर इनकी काफी शर्मीली, साधारण सी दिखती हैं। वहीं, ऑफस्क्रीन इनका ग्लैम अवतार देखने लायक नजर आता है। सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर अपने फैन्स का दिल लगाकर रखती हैं। हाल ही में इनकी फिल्म मिली रिलीज हुई। फिल्म के प्रमोशन्स में जाह्नवी कपूर का ग्लैमरस अवतार हर किसी को पसंद आया। रिवीलिंग ड्रेसेस में अपनी अदाओं से हर किसी को एक्ट्रेस ने घायल किया। इंस्टाग्राम पर जाह्नवी खुद की ग्लैम लाइफ दिल खोलकर रखती हैं। रखें भी क्यों न, आखिर सोशल मीडिया पोस्ट्स से जाह्नवी मोटी रकम जो कमाती हैं। इस पैसे से वह अपनी किस्त भरती हैं। यकीन नहीं आता तो खुद जान लें। जाह्नवी ने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया है। उन्होंने अपनी दोनों ही रील और रियल लाइफ को लेकर बात की। एक्ट्रेस का कहना रहा, मुझे अक्सर लोग यह सवाल करते हैं कि फिल्में तो मेरी एक मिडिल क्लास लड़की और साधारण दिखने वाली लड़की पर रहती हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर मैं एकदम अलग नजर आती हूं। ऐसे में लोगों के लिए दोनों ही भिन्न इमेज गले के नीचे उतारना काफी मुश्किल हो जाता है। सच कहूं तो मैं परवाह नहीं करती। मैं इस तरह की कैल्कुलेशन करने से बचती हूं। दर्शक जब मुझे मनीष मल्होत्रा की साड़ी में देखते हैं।

वहीं दूसरी ओर अचानक से कुर्ता-पायजामा में देखते हैं तो उनके मन में दो इमेज मेरी क्रिएट होती हैं। एक चीज मेरे आर्ट का हिस्सा है तो दूसरा कहीं न कहीं मेरी पर्सनल लाइफ है। मैं इसके बारे में सोचती हूं और कोशिश करती हूं कि ज्यादा से ज्यादा रियल और सच रहूं। जो हूं, वही लोगों को दिखाऊं। रियल लाइफ में जैसी हूं, वही दिखाती हूं। रील लाइफ में जो किरदार मिलता है, उसे बखूबी निभाने पर यकीन रखती हूं। एक एक्टर वही है जो रियल लाइफ अलग रखकर रील में अपने किरदार में अच्छी तरह उतर जाए।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड का समय अच्छा नहीं चल रहा : वरुण धवन

वरुण धवन फिल्म भेड़िया को लेकर काफी सुर्खियों में बने हुए है। हॉरर कॉमेडी फिल्म में वरुण धवन सुपरनैचुरल किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ कृति सेनन मुख्य किरदार में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था। सोशल मीडिया पर फैंस को फिल्म का ट्रेलर पसंद आया है। लेकिन इसके बाद भी वरुण धवन फिल्म कलेक्शन को लेकर काफी परेशान हैं। दरअसल, बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्में फ्लॉप हो रही है। वरुण धवन ने हाल ही में एक इवेंट के दौरान कहा कि साउथ की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्मों को पीछे कर रही हैं। हिंदी फिल्मों को कंतारा, केजीएफ 2 और विक्रम जैसी फिल्मों से प्रेरणा लेनी चाहिए। वरुण ने कहा कि अब दर्शक उन फिल्मों को देखना पसंद करते हैं जिसकी कहानी में दम होता है। इंटरव्यू में बात करते हुए वरुण धवन ने साउथ फिल्मों के कंटेट और सक्सेज पर बात करते हुआ कहा कि मुझे पता है कि अभि ये कहना आसान नहीं है, क्योंकि हिंदी फिल्मों की धुलाई हो रही है, शायद यह मेरे लिए अच्छा समय है, मैं हमेशा से तेलुगु, तमिल में फिल्में करना चाहता हूं और भेड़िया फिल्म तमिल और तेलुगु में रिलीज हो रही है। वरुण धवन ने साउथ की फिल्मों पर बात करते हुए बोल कि दर्शक घटिया कंटेट और फिल्म को देखने नहीं जा रहे हैं। वह फिल्म के कंटेट से किसी भी तरह का समझौता नहीं कर रहे हैं। ऐसे में हमें अपना स्टैंडर्ड उठाना होगा और उन्हें टॉप लेवन का कंटेट देना होगा। कंटेट में बोल्डनेस भी डालना होगा।

सफेद रंग की क्यों होती हैं ज्यादातर कॉमर्शियल प्लेन ?

दुनिया में ऐसी बहुत सी चीजें होती हैं, जिन्हें हम देखते तो रोजाना हैं, लेकिन ये नहीं सोचते कि आखिर ऐसा क्यों है? मसलन सड़क पर सफेद रंग की पट्टियां क्यों बनी होती हैं या फिर बॉलपेन की कैप पर छेद क्यों बना होता है? हवाई चप्पल में हवाई क्यों लगा हुआ है या फिर हवाई जहाज का रंग अक्सर सफेद क्यों होता है? चलिए आज हम आपको इनमें से एक दिलचस्प सवाल का सटीक जवाब बताते हैं। हालांकि बहुत सी एयरलाइंस के एयरक्राफ्ट्स का रंग अब अलग भी होने लगा है, फिर भी ज्यादातर एयरक्राफ्ट आज भी सफेद रंग में ही रंगे जाते हैं। आखिर इसके पीछे की वजह क्या है? या फिर कुछ ऐसा, जिसके बारे में हमने नहीं सोचा। यूं तो अब दुनिया की कई ऐविएशन कंपनियां अपने एयरक्राफ्ट का रंग अलग-अलग भी कर रही हैं, लेकिन ये सच है कि आज भी ज्यादातर हवाई जहाज सफेद रंग के ही होते हैं। पहले प्लेन बिना की पेंट के हुआ करते थे, लेकिन इससे वे जल्दी गंदे हो जाते थे और उनक पर ज़ंग भी लग जाती थी। ऐसे में इन्हें सफेद रंग से रंगा जाने लगा, जिससे यात्रियों पर अच्छा इम्प्रेशन पड़ता था। हालांकि इसकी वजह सिर्फ अच्छा दिखना नहीं बल्कि कुछ और ही है। कॉमर्शियल फ्लाइट्स के लिए इस्तेमाल हवाई जहाज सफेद रंग के लिए होते हैं क्योंकि ये धूप पड़ने पर और चमकदार हो जाते हैं, जबकि दूसरे रंग धूप से सोखने का काम करते हैं। चटख रंगों से प्लेन की बॉडी हीट हो सकती है, जबकि सफेद रंग इसे हीट से बचाता है, जिससे सोलर रेडिएशन से होने वाला नुकसान बचता है। इसके फीके पड़ने के चांस भी कम होते हैं। सफेद रंग के चलते पक्षी भी इसे दूर से देख सकते हैं और एक्सीडेंट से बचते हैं।

अजब-गजब | ये है इतिहास की सबसे बड़ी लूट

10 लाख 50 हजार करोड़ रुपये के खजाने के साथ नृत्यांगनाओं, को भी उठा ले गया था लुटेरा

आपने लूटपाट की तमाम घटनाओं के बारे में सुना और पढ़ा होगा, जिसमें लुटेरों ने करोड़ रुपये पर हाथ साफ कर दिया होगा। यही नहीं लूटपाट के दौरान लुटेरा नाचने वालियों को भी उठाकर ले गया हो। दरअसल, हम बात कर रहे हैं मुगल सामाज्य के दौरान हुई एक लूट के बारे में। जिसे मुगल सम्राट मोहम्मद शाह ने अंजाम दिया था। कहा जाता है कि मोहम्मद शाह रंगीले मिलाज का शासन था। दिल्ली की हुकूमत भी मुगलों के हाथों में थी। उस समय दिल्ली भारत के सबसे सुंदर शहरों में से एक था। दिल्ली की विशाल इमारतें, कलाकृति देखने के लिए दूर दूद से लोग आते थे।

दुनियाभर में दिल्ली की शोहरत दिनों दिन बढ़ती जा रही थी। नादिर शाह को जब दिल्ली के बारे में पता चला तो वह उसे देखने के लिए तड़प उठा। कहा जाता है कि नादिर शाह किसी नवाबी परिवार से नहीं था। उसका जन्म ईरान से भी दूर एक क्षेत्र में हुआ था। वह जंगलों में लकड़ियां बीनने का काम करता था। लेकिन वह अपनी दम पर दुनिया की सबसे खतरनाक सैना का कमांडर बन गया था। उस दौर में दुनिया की सबसे बड़ी घटना होने वाली थी, जो किसी ने नहीं सोची थी।

ऐसा कहा जाता है कि नादिर शाह एक लंबा हट्टा-कट्टा काली आंखों वाला शासक था। वह काफी बेरहम और कुख्यात था। वह अपने विरोधियों को किसी भी

किमत पर नहीं छोड़ता था। जो उसकी जी-हुजूरी करता उसके प्रति उसकी अच्छी भावना रहती थी। साल 1738 की जुलाई की शाम जब वह हिन्दुस्तान पहुंचा। दूसरी ओर जफर खान रोशन-उद-दौला के पास इतनी दौलत थी कि जिसके बारे में किसी ने कोई कल्पना तक नहीं की थी। जफर का घर मानो सोने का महल था। महल की दीवारों पर सोने का पहाड़ जैसा था। उसके पास इतना धन था कि जब वह रास्ते से गुजरता था तो वह लोगों को धन बांटता चला जाता था।

बताया जाता है कि दिल्ली के रईसों की शोहरत ने नादिर शाह के दिमाग में लूट की योजना पैदा कर दी। इसके बाद नादिर शाह ने दिल्ली में जो लूट मचाई उसकी खबर दूर-दूर तक पहुंची। इतिहासकारों की मानें तो नादिर शाह ने जो लूट मचाई थी उसकी कीमत उस दौर में 70 करोड़ रुपये थी। आज की बात करें तो ये 156 अरब डॉलर है यानी करीब 10 लाख 50 हजार करोड़ रुपये। वो इतिहास की सबसे बड़ी लूट थी। नादिर शाह की लूट सिर्फ खजाने तक सीमित नहीं रही, वह अपने साथ दिल्ली के दरबार में नाचने का काम करने वाली नृत्यांगनाओं, हकीमों और वास्तुकारों को भी लूटकर ले गया था। इतिहास की सबसे बड़ी लूट ने बादशाह मोहम्मद शाह को बुरी तरह तोड़ दिया। इतिहास में मोहम्मद शाह को मुगल साम्राज्य के पतन का जिम्मेदार बताया गया। इतिहासकारों का कहना है वह इतना बुरा शासक भी नहीं था। उसके दौर में भी कला, संस्कृति, इमारतों का विकास हुआ। लेकिन उस लूट के बाद मोहम्मद शाह अपने कई दुश्मनों को हरा पाने में विफल हो गया। धीरे-धीरे उसके साम्राज्य के साथ प्रशासनिक संस्थानों का पतन होने लगा। जिससे अंग्रेजों के भाग्य का उदय हुआ। नादिर शाह की द्वारा लूट की खबर जब अंग्रेजों को हुई तो उन्हें मुगलों की कई कमजोरियां पता चल गई। इतिहासकारों का मानना है कि अंग्रेजों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। ऐसा माना जाता है कि नादिर शाह अगर दिल्ली पर हमला नहीं करता, तो शायद भारत में अंग्रेज राज नहीं कर पाते।

गोला की गोलबंदी से भाजपा के रणनीतिकारों के हौसले बुलंद

यूपी में बीजेपी का पन्ना समिति का प्रयोग रहा सफल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी पिछले कई चुनावों से लगातार पन्ना प्रमुखों को महत्वपूर्ण भूमिका सौंपती रही है लेकिन गोला गोकर्णनाथ के उपचुनाव में पार्टी ने पहली बार यूपी में पन्ना समिति का प्रयोग किया। यह प्रयोग सफल रहा। गोला गोकर्णनाथ में सामाजिक समीकरण बहुत अनुकूल न होते हुए भी बीजेपी के पक्ष में गोलबंदी दिखी। इससे पार्टी के रणनीतिकारों के हौसले बुलंद हैं। यूं तो यह यूपी में महज एक विधानसभा सीट का उपचुनाव था लेकिन भाजपा के लिए यह जीत कई मायने में खास है।

आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीटों के बाद अब इस विधानसभा सीट के उपचुनाव में भी योगी सरकार के कामकाज पर जनता ने मुहर लगा दी है। वहीं बतौर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के सांगठनिक कौशल का यह पहला इम्तिहान था। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह लगातार पन्ना समितियों के गठन से लेकर उनकी सक्रियता पर नजर जमाए रहे। हर समिति में पांच लोगों को रखा गया था। इनके जिम्मे 30-30 वोटों की जिम्मेदारी थी। गोला सीट के इस छोटे से उपचुनाव में जीत हासिल करने को भगवा खेमे ने भारी-भरकम व्यूह रचना की थी। इस चुनाव में सरकार और संगठन का बेहतर तालमेल भी बखूबी देखने को मिला। नतीजा यह था कि सामाजिक समीकरण भाजपा प्रत्याशी के बहुत ज्यादा पक्ष में न होने के बावजूद पार्टी शुरुआत से ही विरोधियों पर भारी दिखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावी रैली इस पूरे चुनावी मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। इस दौरान सीएम योगी ने जनता से सीधा संवाद किया।

भूपेंद्र और धर्मपाल ने किया लगातार प्रवास

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भी लगातार प्रवास कर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। बूथ स्तर तक प्रबंधन की लगातार निगरानी रखी। वहीं योगी सरकार के तमाम मंत्री भी लगातार वहां डेरा डाले रहे। उपमुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी कई सभाएं कीं। गोला सीट पर भाजपा प्रत्याशी अमन गिरि के सजातीय वोटरों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। चुनाव में समाजवादी पार्टी ने ब्राह्मण प्रत्याशी उतारकर भाजपा की मुश्किलें बढ़ाने का प्रयास किया था। मगर सीएम योगी के प्रति भरोसे और बेहतर रणनीतिक प्रबंधन से भाजपा ने विरोधियों के समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा दिए।

महाराष्ट्र में होंगे मध्यावधि चुनाव : आदित्य ठाकरे

» एकनाथ शिंदे सरकार पर साधा निशाना, कहा- गिर जाएगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि आने वाले महीनों में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार गिर जाएगी। आदित्य ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मध्यावधि चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। अकोला जिले में पूर्व मंत्री ने महाराष्ट्र के बजाय अन्य राज्यों को चुनने वाली चार प्रमुख परियोजनाओं को लेकर शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला किया और दावा किया कि राज्य ने 2.5 लाख लोगों के लिए संभावित रोजगार खो दिया है।

बता दें पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पिछले सप्ताह राज्य में मध्यावधि चुनाव की संभावना के बारे में बात की थी। आदित्य ने कहा कि देशद्रोहियों की यह सरकार आने वाले महीनों में निश्चित रूप से गिर जाएगी। आदित्य ने कार्यकर्ताओं से जल्दी चुनाव का सामना करने के लिए कमर कसने को कहा। राज्य के कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार को छोटा पप्पू कहने के लिए आदित्य ने कहा, मैं छोटा पप्पू हो सकता हूं, लेकिन अगर नाम पुकारने से महाराष्ट्र की सेवा करने में मदद मिलती है, तो आप इसे करते रह सकते हैं। ये छोटा पप्पू आपको महाराष्ट्र में चला रहा है। मैं तुम्हें दौड़ाऊंगा क्योंकि महाराष्ट्र ने इस विश्वासघात को स्वीकार नहीं किया है।

बीजेपी ही नहीं, कांग्रेस ने भी हिमाचल में नहीं उतारा मुस्लिम कैंडिडेट

» वोटरों को लुभाने के लिए फेंका जा रहा 'मुफ्त' योजना का जाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश में चुनाव की घोषणा के बाद बीजेपी, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी-आप सहित क्षेत्रीय दल भी सक्रिय हैं। वोटरों को लुभाने के लिए 'मुफ्त' योजना का जाल फेंका जा रहा है। तो दूसरी ओर, महिला वोटरों को आकर्षक स्कीम के जरिए कई राजनीतिक पार्टियां अपने पाले में खींचने की पूरी कोशिश करते हुए नजर आ रहीं हैं।

इसी बीच, चौंकाने वाली बात यह है कि 68 विधानसभा सीटों वाले हिमाचल प्रदेश में बीजेपी, कांग्रेस सहित आप ने एक भी मुस्लिम प्रत्याशी को चुनावी मैदान में नहीं उतारा है। हिमाचल प्रदेश के इतिहास में मुस्लिम मंत्री बनना तो दूर अभी तक कोई मुस्लिम विधायक भी नहीं चुना गया है। चाहे लोकसभा चुनाव हो, या फिर विधानसभा चुनाव की बात हो, मुस्लिम वोट बैंक पर सभी राजनैतिक पार्टियों की हमेशा से ही नजर बनी रहती है। लेकिन, हिमाचल में अभी तक कोई भी मुस्लिम विधायक नहीं बन पाया है। ऐसे में अब 2022 के विधानसभा चुनाव में भी मुस्लिम विधायक का चुना जाना संभव नहीं होगा। ऐसा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश में मुस्लिम आबादी नहीं है, लेकिन फिर भी राजनीतिक पार्टियां चुनाव में मुस्लिम वोटरों पर भरोसा करने से डरते हुए नजर आतीं हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, हिमाचल प्रदेश की कुल आबादी 68 लाख है, जिसमें 33.82 लाख महिलाएं हैं। हिमाचल में करीब डेढ़ लाख मुस्लिम आबादी है। हिमाचल प्रदेश में सबसे बड़ी जाति हिंदू 'राजपूत' हैं, जो कुल आबादी का 37 प्रतिशत है। जबकि करीब 18 फीसदी ब्राह्मण वोटर हैं। हैरानी वाली बात है कि सिख समुदाय की आबादी मुस्लिम आबादी से भी कम है। लेकिन बावजूद इसके 2017 के विधानसभा चुनाव में एक सिख विधायक सदन तक पहुंचा था। 68 विधानसभा सीटों के लिए 12 नवंबर को वोटर अपने मत का इस्तेमाल करने जा रहे हैं जबकि, 08 दिसंबर को मतगणना होनी तय है।

असली समाजवादी लोग हमारी पार्टी के साथ : शिवपाल

» मुलायम सिंह के निधन के बाद प्रसपा मुखिया एक बार फिर हुए अखिलेश पर हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन से रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा हो गई है। मुलायम के परिवार में उनके निधन के समय जिस तरह का प्यार और एका दिखाई दे रहा था, उसमें फिर से दरार दिखाई देने लगी है। एक बार फिर चाचा शिवपाल यादव ने भतीजे अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए बड़ा हमला बोला है।

शिवपाल ने अखिलेश को चापलूसों से घिरा बताते हुए कहा कि असली समजावादी लोग उनके साथ हैं। मुलायम के निधन के बाद पहली बार शिवपाल ने अखिलेश पर निशाना साधा है। शिवपाल के हमले को कई नजरिये से देखा जा रहा है। मैनपुरी सीट पर शिवपाल को कोई भाव नहीं देने की टीस भी माना जा रहा है। अखिलेश ने एक दिन पहले ही प्रत्याशी को लेकर मंथन किया था। तेज प्रताप का नाम फाइनल होने की बातें भी कहीं जा रही हैं। मुलायम सिंह यादव के निधन पर पूरा परिवार एक नजर आया था। खासकर शिवपाल और अखिलेश यादव बेहद करीब दिखाई दिए थे। अंत्येष्टि से लेकर अस्थि कलश विसर्जन और शांति पाठ तक शिवपाल हमेश अखिलेश के साथ साथ रहे। अब मुलायम के निधन से रिक्त मैनपुरी सीट पर उपचुनाव की घोषणा होते ही शिवपाल का रुख बदला-बदला नजर आने लगा है। शिवपाल ने अखिलेश पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि वह चापलूसों से घिरे हुए हैं। गलत राय देने वाले लोग उनके साथ हैं। शिवपाल ने कहा कि यह लोग परिवार को साथ नहीं देख सकते। पार्टी के लोगों को साथ नहीं रख सकते। शिवपाल ने यहां तक कहा कि असली समाजवादी लोग हमारी पार्टी के साथ हैं। शिवपाल ने कहा कि अखिलेश लगातार चुनाव हार रहे हैं। 14, 17 और 19 का चुनाव हार गए। 22 में जीत सकते थे लेकिन नहीं जीत सके।

मैनपुरी सीट को लेकर बगावत!

मैनपुरी में सपा तेज प्रताप यादव को उतारने का मन बना रही है। कहा जा रहा है कि परिवार में एका बनी रहे, इसके लिए शिवपाल यादव को भी मनाने की कोशिशें परिवार की ओर से अंदरखाने चल रही हैं। लेकिन शिवपाल का आज का हमला बताता है कि वह अपना रुख तय कर चुके हैं। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि शिवपाल अगर मैनपुरी से खुद उतरते हैं तो भाजपा का भी उन्हें साथ मिलने की उम्मीद है। शिवपाल यादव ने मैनपुरी से खुद प्रसपा के टिकट पर चुनाव लड़ने से इंकार नहीं किया है। सपा चाहती है कि परिवार की एका के लिए शिवपाल भी तेज प्रताप यादव के समर्थन में पीछे हट जाएं।

शीरोज कैफे में बाईकर्स का शक्ति प्रदर्शन, पुलिस ने काटा चालान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के शीरोज कैफे में कई बाईकर्स ने एक साथ गेट टू गेदर का आयोजन किया था, जिसमें बड़ी संख्या में बाईकर्स आये थे। इस दौरान वहां कुछ बाईकर्स ने सोशल मीडिया के लिए रील बनाने के लिए अपनी सुपरबाइक का शक्ति प्रदर्शन करने लगे। जिसके चलते सुबह लोहिया पार्क में घूमने आए लोगों ने ज्वाइंट सीपी पीयूष मोर्डिया को इस बात की शिकायत की।

इस पर ज्वाइंट सीपी पीयूष मोर्डिया ने मौके पर पहुंच कर कई बाईकर्स को कड़ी फटकार लगाई। थोड़ी देर बाद उन्होंने इस बात की सूचना गोमती नगर थाने पर दी, जिस पर गोमतीनगर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गाड़ियों का चालान काटना शुरू कर दिया। जिस पर बाईकर्स ने इस बात का विरोध किया कि गाड़ी के पेपर पूरे होने के बावजूद चालान क्यों काटा जा रहा है। पुलिस का कहना था कि इतनी बड़ी संख्या में आयोजन करने से पहले पुलिस से अनुमति लेनी चाहिए थी।

अमेठी की पूर्व भाजपा विधायक गरिमा सिंह बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमेठी की पूर्व विधायक और भाजपा नेता गरिमा सिंह को बड़ी राहत मिली है। आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में साक्ष्य के अभाव में एमपीएमएलए के मजिस्ट्रेट योगेश यादव उन्हें बरी कर दिया है। करीब पांच साल पहले उनके खिलाफ अमेठी कोतवाली में केस दर्ज हुआ था।

अमेठी कोतवाली के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक रमाकांत प्रसाद ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव प्रचार में मानक के विपरीत वाहन पर भाजपा का दो झंडा लगाने के आरोप में पूर्व विधायक पर आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज कराया था। पूर्व विधायक के अधिवक्ता राजेश सिंह ने बताया कि झंडा न्यायालय में पेश नहीं किया गया, न ही अभियोजन ने उसके सम्बन्ध में कोर्ट में साक्ष्य पेश किया। पूर्व विधायक पर लगे आरोप कोर्ट में साबित नहीं होने पर अदालत ने उन्हें निर्दोष करार दिया।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने सीएम को लिखा पत्र

एक्सरे-अल्ट्रासाउंड के लिए मरीजों को जाना पड़ रहा गैरजनपद

» सपा नेता ने रेडियोलॉजिस्ट तैनाती को बनाया मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मंशा पर अफसर पानी फेरने का काम कर रहे है। जिसके चलते विपक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल रहा है। ताजा मामला यूपी के सुल्तानपुर जिले से जुड़ा बताया जा रहा जहां पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार व मौजूदा भाजपा सांसद मेनका गांधी का गोद लिया जिला अस्पताल महीनों से रेडियोलॉजिस्ट विहीन बना है।

हाल के दिनों की बात की जाए तो सुल्तानपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक ने सीएम को पत्र लिखते हुए डीएम समेत स्वास्थ्य विभाग की करतूतों की पोल खोलते हुए लिखा था कि अफसरों के द्वारा सरकार की छवि धूमिल करने का काम किया जा रहा है। यह मामला शांत भी नहीं हुआ कि विपक्षी दल सपा के नेता ने सीएम को पत्र लिखते हुए स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही की पोल खोल दी। सुल्तानपुर जिला अस्पताल में एक्सरे व अल्ट्रासाउंड के लिए आने वाले सैकड़ों मरीजों व मेडिकोलीगल के लिए आने वाले लोगों को प्राइवेट में या अमेठी जनपद में जाकर ये सुविधा लेनी पड़ रही है। जिसकी शिकायत सपा नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य रतिपाल यादव ने सूबे के मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर की है।

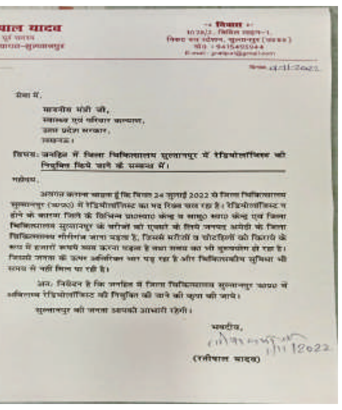
रतीपाल यादव

सेवा में,
माननीय मंत्री जी,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ।

भवदीय,
(रतीपाल यादव)

रेडियोलॉजिस्ट के रूप में मौजूद हैं दो स्वास्थ्य अधिकारी

पत्र में सपा नेता ने लिखा है कि अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राधा वल्लभ व महिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. बीके सोनकर रेडियोलॉजिस्ट हैं। लेकिन अयोध्या मंडल के अपर स्वास्थ्य निदेशक और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. डीके त्रिपाठी सुल्तानपुर जान बूझकर इन दोनों को रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक के रूप में संबद्ध नहीं कर रहे हैं। जिससे जनता को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। जिसको लेकर उन्होंने सीएम से मांग की है कि दोनों में से एक को रेडियोलॉजिस्ट के पद पर संबद्ध किया जाए।

जुलाई माह से खाली है पड़ा है रेडियोलॉजिस्ट का महत्वपूर्ण पद

पत्र में सपा नेता द्वारा लिखा गया है कि 24 जुलाई से जिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट का पद रिक्त चल रहा है, जिससे जिले के मरीजों को अमेठी जनपद के गौरीगंज में एक्सरे व अल्ट्रासाउंड के लिए जाना पड़ रहा है। जिससे मरीजों को आर्थिक भार के साथ समय से समुचित इलाज भी नहीं मिल पा रहा है। सपा नेता के इस पत्र के बाद स्वास्थ्य मंत्री-उपमुख्यमंत्री के उन तमाम दावों की पोल खुलती नजर आई कि 4 महीने जिला अस्पताल रेडियोलॉजिस्ट विहीन बना हुआ है और जनपद के स्वास्थ्य अधिकारियों के द्वारा बेहतर इलाज व समुचित बेहतर सुविधाओं का ढिंढोरा पीटा जा रहा है।

डेंगू मरीजों को बाहर से जांच-दवाएं बर्दाश्त नहीं: मेनका गांधी

» जिला अस्पताल पहुंची सांसद ने डॉक्टरों को लिया आड़े हाथों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सांसद मेनका गांधी बुधवार को जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण पर पहुंची। यहां उन्होंने डेंगू वार्ड में जाकर मरीजों का हाल जाना। पता चला कि डॉक्टर बाहर से जांच कराने और दवाएं लाने के लिए पर्चे लिख रहे है, जिस पर वे भड़क गई। सांसद ने आगे से ऐसा करने पर रजिस्ट्रेशन निरस्त कराने की धमकी दे डाली। सांसद ने सीएमएस से कहा कि एक भी पर्चा जांच के लिए बाहर से न लिखा जाए।

उन्होंने ब्लड बैंक को ब्लड और प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देष दिए। सांसद ने कहा कि हमारे पास इतना ब्लड मौजूद है कि हम दूसरे जिलों को उसे भेज रहे हैं। सांसद ने कहा कि रेडियोलॉजिस्ट यहां पर नहीं है, इसके लिए शासन को पत्र लिखा गया है। सांसद के साथ विधायक विनोद सिंह, सांसद प्रतिनिधि रणजीत सिंह, सीएमएस डॉ.एससी कौशल आदि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में डीएम के निरीक्षण से हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। नवागंतुक बांदा डीएम दीपारंजन ने आज बांदा जिला अस्पताल में औचक निरीक्षण किया। डीएम के निरीक्षण से जिला अस्पताल में हड़कंप मच गया। अस्पताल के जनरल वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, ब्लड बैंक के निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल के कर्मचारियों का उपस्थिति रजिस्टर डीएम अपने साथ ले गई। अस्पताल में औचक निरीक्षण से हड़कंप मच गया है।

डीएम दीपा रंजन ने कल ही पदभार ग्रहण किया और आज जिला अस्पताल पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम के जिला अस्पताल में पहुचने से हड़कंप मच गया। जिला अस्पताल पहुंची डीएम ने इमरजेंसी वार्ड, जनरल वार्ड, के साथ डेंगू वार्ड और ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। जिला अस्पताल में भर्ती मरीज और उनके तीमारदारों से जिलाधिकारी ने बात भी की। इसके बाद कुछ लोगों ने बाहर की दवाई लिखने का डॉक्टरो पर आरोप लगाया जिस पर नाराज डीएम ने जिला अस्पताल के डॉक्टरों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी दशा में मरीजों को बाहर की दवाएं न लिखें। शासन द्वारा अस्पतालों में सभी दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

तीन महीने पहले मौत को गले लगा चुके बैंक कैशियर के खिलाफ 2.39 करोड़ की हेरा फेरी का मामला दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। नरैनी थाना क्षेत्र में इंडियन बैंक में हुई हेरा फेरी का बड़ा मामला सामने आया है। इसमें हैरान करने वाली बात यह है कि 2.39 करोड़ की हेराफेरी में डिप्टी मैनेजर के साथ बैंक कैशियर के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराया गया है जबकि इस कैशियर की 3 माह पहले ही मौत हो चुकी है। मृतक कैशियर ने नरैनी कस्बे में बैंक के नजदीक किराए के मकान ही कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

जनपद के नरैनी कस्बे में स्थित इंडियन बैंक की शाखा नरैनी से एक मामला सामने आया है। जहां झांसी मंडल के रहने वाले अभिषेक चौधरी नरैनी बैंक मे कैशियर के पद पर तैनात थे। और इसी कस्बे में किराए के मकान में रहते थे। 4 अगस्त को अभिषेक ने सुसाइड कर लिया था। अब इण्डिन बैंक के शाखा प्रबंधक सुधीर कुमार पांडेय की तहरीर पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है।

स्कूली बच्चों से कराई जा रही है किताबों की बंडलिंग, वीडियो वायरल

» बीएसए ने दिए जांच के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। जिले में अभी तक सभी किताबें प्राथमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों को उपलब्ध नहीं हो पाई है। इसी दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जहां पर किताबों का बंडल स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा बनाया जा रहा है। इस वीडियो के वायरल होते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। शिक्षा विभाग के मुखिया बेसिक शिक्षा अधिकारी ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

पूरा मामला कम्पोजिट स्कूल नगवा के परिसर में संचालित नवाबगंज ब्लॉक संसाधन केंद्र का है। जहां पर बीआरसी पर डंप किताबों का स्कूली बच्चे पढ़ने के बजाए बंडल बना रहे हैं। जिसका वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो दो दिन पुराना बताया जा रहा है। अब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल पूरे मामले पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जांच के आदेश दे दिए है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। वही वायरल वीडियो को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल में छिपे वन माफियाओं पर कब कसेगा पुलिस का शिकंजा!

» भारतीय क्षेत्र के जंगलों में अवैध तरीके से हो रही है पेड़ों की कटान

» कई माफिया सक्रिय, दर्जन भर पर भारतीय क्षेत्र में दर्ज है मामले

अशोक उपाध्याय

बहराइच। नेपाल के सरहदी इलाकों में कई वर्षों से भारतीय क्षेत्र में चिन्हित वन माफिया निवासरत है। इन वन माफियाओं पर भारतीय क्षेत्र के वन रेंज कार्यालय और थानों पर गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। लेकिन पुलिस इनकी गिरफ्तारी नहीं कर पा रही है। जिस कारण नेपाल के सरहदी इलाके में सक्रिय वन माफिया अभी भी भारतीय क्षेत्र के जंगलो की बेशकीमती पेड़ों की कटान करा रहे है। दो महीने पूर्व नेपाली वन माफिया और वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच मुठभेड़ भी हुई थी। इसका मामला भी थाने पर दर्ज हुआ। लेकिन अभी तक गिरफ्तारी के प्रयास पुलिस की ओर से नहीं किए गए।

अब्दुल्लागंज रेंज में रजिस्टर्ड वन माफिया

बहराइच। अब्दुल्लागंज वन रेंज का का क्षेत्रफल करीब 44 सौ हेक्टेयर है। इस वन रेंज की सीमा का उत्तरी छोर पूरब से पश्चिम तक करीब 7 किलोमीटर भारत नेपाल सीमा से लगा हुआ है। नेपाल के सरहदी इलाके में सक्रिय भारतीय क्षेत्र के वन अपराधी अक्सर जंगल में घुसकर बेशकीमती पेड़ों की कटान करते हैं। वन विभाग ने इन्हें चिन्हित किया है। वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार अब्दुल्लागंज रेंज में रफीक पुत्र छोटे, अवधइ पुत्र बाबादीन, घनश्याम पुत्र भगवानदीन, टमाटर सरदार पुत्र दुलोट, कौशल पुत्र भाटे, भाटे पुत्र हायमतुल्लाह, बब्बन पुत्र पहलवान आदि कई नाम है।

नेपाल के सरहदी इलाकों में पहाड़िया पुरवा, काला बंजर, हिर मिनिया, मुंशी पुरवा समतलिया, भज्जू पुरवा, लोनीयन पुरवा, सिकखन पुरवा समेत करीब डेढ़ दर्जन गांव नेपाल के सरहदी इलाके में बसे हैं। इन गांव के लोग हर हाल में भारतीय जंगलों पर निर्भर हैं। जलौनी लकड़ी हो या फिर फर्नीचर के लिए लकड़ी की जरूरत हो, इसके साथ ही बेशकीमती लकड़ी काटकर बेचने के कार्य में भी इस क्षेत्र के लोग लगे रहते हैं। इनके खिलाफ वन रेंज में केस भी दर्ज है लेकिन

सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भू-माफिया भाई ने फूंक दी गरीब की झोपड़ी!

» प्लॉट पर कब्जे की नियत से महिला की झोपड़ी में आग लगाने का आरोप

» पीड़िता की एफआईआर न लिखने पर जाजमऊ थाना प्रभारी सस्पेंड, केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

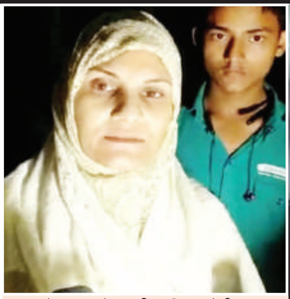

आरोप लगाने वाली महिला बेबी नाज

दो दिन पहले बेबी नाज की झोपड़ी में आग लगी थी, आरोप है कि प्लॉट पर कब्जे के लिये सपा विधायक और उनके भाई रिजवान सोलंकी ने आग लगवाई है। पूर्व में भी महिला से मारपीट का वीडियो वायरल हो चुका है।

कानपुर। जाजमऊ थाना क्षेत्र के डिफेंस कॉलोनी में रहने वाली महिला ने प्लॉट पर बनी उसकी झोपड़ी में आग लगाने का आरोप लगाते हुए सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई समेत तीन चार अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है। देर रात पुलिस ने विधायक व अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों और उनके घरों पर दबिश दी। वहीं मामले में लापरवाही करने में पुलिस आयुक्त ने जाजमऊ थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है। डिफेंस कॉलोनी निवासी बेबी नाज ने बताया की दो दिन पहले वह परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने गई थीं। आरोप है कि इस दौरान सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई ने प्लॉट पर कब्जा करने के लिए उसकी टट्टर की झोपड़ी में आग लगा दी थी। घर वापस आने पर जानकारी हुई तो सपा विधायक इरफान सोलंकी और उसके भाई रिजवान सोलंकी समेत तीन-चार अज्ञात लोगों के खिलाफ जाजमऊ थाने में शिकायत की। इस बीच पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर उसने उच्चाधिकारियों से मामले की शिकायत की थी। जब मामले ने तूल पकड़ा और मीडिया में इस तरह की खबरें वायरल हुई तो पुलिस अफसरों के निर्देश के बाद जाजमऊ थाना पुलिस ने सपा विधायक इरफान सोलंकी समेत अन्य लोगों पर रिपोर्ट दर्ज करके मंगलवार देर रात गिरफ्तारी के लिए दबिश दी। एडीसीपी पूर्वी बृजेश कुमार श्रीवास्तव की अगुवाई में कई थानों की पुलिस गिरफ्तारी के लिए देर रात विधायक इरफान सोलंकी के आवास पहुंची। पुलिस ने विधायक आवास घेरा तो उनकी बेटी ने वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। देर रात से सपा समर्थकों का जमावड़ा विधायक के आवास पर जुटने लगा था। मामले में लापरवाही बरतने पर बुधवार को पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड ने थाना प्रभारी अभिषेक शुक्ला को निलंबित कर दिया है।

आरोपी विधायक इरफान सोलंकी और उनका भू-माफिया भाई रिजवान सोलंकी

मैं बेकसूर हूं, योगीजी आप न्याय कीजिए : इरफान

पुलिस की दबिश से पहले ही सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनका भूमाफिया भाई रिजवान अपना-अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर भूमिगत हो गए। शासन तक मामला पहुंचने पर जब पुलिस की किरकिरी हुई तो अफसरों ने अधीनस्थों के पेंच कसे, जिस पर एकाएक जाजमऊ थाना पुलिस सक्रिय हुई और विधायक की सफारी व फॉरच्यूनर गाड़ी उठाकर थाने ले आई है। पीड़िता की मां फातिमा थाने पर मौजूद है और पुलिस उनसे घटना के बारे में पूछताछ कर रही है। इधर सपा विधायक इरफान सोलंकी ने अज्ञात स्थान से एक वीडियो जारी कर खुद को बेकसूर बताया और कहा कि उनके व उनके परिवार के खिलाफ एक गहरी साजिश हो रही है। इरफान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से न्याय की गुहार लगाते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की। इरफान ने पुलिस पर परिजनों के साथ बदसलूकी का भी आरोप लगा है।

"जल्द सभी अभियुक्तों की गिरफ्तारी होगी। अज्ञात आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे है।
- रवीन्द्र कुमार, डीसीपी पूर्वी

जस्टिस चंद्रचूड़ बने देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश

» राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मु ने दिलाई शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आज देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर पदभार ग्रहण किया। बुधवार सुबह राष्ट्रपति भवन में हुए कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चंद्रचूड़ को प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ग्रहण कराई।

उन्होंने सीजेआई यूयू ललित की जगह ली है, जो आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इससे पहले छह नवंबर को सीजेआई यूयू ललित को औपचारिक सेरेमोनियल बेंच गठित कर विदाई दी गई थी। शपथ ग्रहण के बाद सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, देश की सेवा करना मेरी प्राथमिकता है। हम भारत के सभी नागरिकों के हितों की रक्षा करेंगे। चाहे वह तकनीक हो, रजिस्ट्री सुधार हो या न्यायिक सुधारों के मामले में हों। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के पिता यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ वाईवी चंद्रचूड़ देश के 16वें चीफ जस्टिस थे। वाईवी का कार्यकाल 22 फरवरी 1978 से 11 जुलाई 1985 तक करीब सात साल रहा। यह किसी सीजेआई का अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल है। पिता के रिटायर होने के 37 साल बाद उनके बेटे जस्टिस डीवाई सीजेआई बने हैं। यह सुप्रीम कोर्ट के भी इतिहास का पहला उदाहरण है कि पिता के बाद बेटा भी सीजेआई बनेगा।

हिमाचल में ताबड़तोड़ रैली कर कांग्रेस में नई जान फूंक रहीं प्रियंका गांधी

» स्वास्थ्य कारणों से सोनिया गांधी कांग्रेस के प्रचार अभियान से दूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिमाचल प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में सभी प्रमुख सियासी पार्टियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। इस चुनाव में कांग्रेस के सामने अपनी साख बचाने की चुनौती है। इसी के मद्देनजर, कांग्रेस के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी सक्रिय हो गई है और हिमाचल में ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं कर रही है। इस दौरान प्रियंका आम लोगों से कई तरह के चुनावी वादे भी कर रही है। साथ ही कांग्रेस के पक्ष में लोगों से मतदान करने की लगातार अपील कर रही है। इन सबके बीच, सियासी गलियारों में चर्चा जोर पकड़ रही है कि प्रियंका गांधी के लिए हिमाचल का चुनाव बड़ा इम्तिहान है। हिमाचल चुनाव 2022 में कांग्रेस की नैया पार लगाने की जिम्मेदारी प्रियंका गांधी पर है।

दरअसल, स्वास्थ्य कारणों से सोनिया गांधी कांग्रेस के लिए प्रचार अभियान से दूर है। वहीं, कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे राहुल गांधी के लिए हिमाचल प्रदेश के साथ ही गुजरात विधानसभा चुनाव में सक्रिय होना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में प्रियंका पर ही गांधी परिवार की छवि को बनाए रखने और कांग्रेस की साख को बचाने की जिम्मेदारी है। बताते चले कि हिमाचल प्रदेश के लिए चुनाव प्रचार अंतिम दौर में हैं और कांग्रेस की तरफ से पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव प्रचार का जिम्मा संभाल रही हैं। बताया जा रहा है कि यूपी के बाद हिमाचल का चुनाव प्रियंका गांधी के लिए बड़ा इम्तिहान साबित हो सकता है।

यूपी चुनाव में नहीं कर पाई थी बेहतर प्रदर्शन

बताते चलें कि इस साल की शुरुआत में तमाम कोशिशों के बावजूद कांग्रेस उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। 2017 के यूपी चुनाव के मुकाबले कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर रहा, जिसका सीधा असर प्रियंका गांधी की छवि पर पड़ा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से प्रियंका गांधी को काफी उम्मीदें हैं। दरअसल, प्रियंका ही कांग्रेस का मुख्य चेहरा हैं। ऐसे में यहां हार या जीत का असर उनकी राजनीति छवि पर पड़ना तय माना जा रहा है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि अगर हिमाचल में कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतती है, तो इसका सीधा श्रेय प्रियंका गांधी को दिया जाएगा।

गुजरात चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका

अहमदाबाद। गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को जोर का झटका लगा है। दिग्गज नेता और विधायक मोहन सिंह राठवा ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। उसके बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। इस्तीफा देने के बाद मोहन सिंह राठवा भाजपा कार्यालय पहुंचे और भाजपा के प्रदेश महासचिव भार्गव भट्ट और प्रदीप सिंह वाघेला ने उन्हें पार्टी में शामिल किया। इस दौरान राठवा के बेटे राजेंद्र सिंह और रंजीत सिंह भी भाजपा में शामिल हो गए। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा में उन्हें टिकट मिलेगा, राठवा ने दावा किया कि वह इसे लेकर शत-प्रतिशत आश्वस्त हैं। मोहन सिंह राठवा (78) की पहचान प्रमुख आदिवासी नेताओं में होती है। राठवा दस बार विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और वर्तमान में वह मध्य गुजरात के छोटा उदयपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। हाल ही में मोहन सिंह राठवा ने घोषणा की थी कि वह आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मांगेंगे। हालांकि उन्होंने इच्छा जाहिर की थी कि छोटा उदयपुर विधानसभा सीट से उनके बेटे राजेंद्र सिंह राठवा को उम्मीदवार बनाया जाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।